उपत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राजभवन सूचना परिसर)

राज्यपाल ने सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के नैक मूल्यांकन हेतु प्रस्तुतिकरण की समीक्षा की

प्रस्तुतिकरण में व्यापक सुधार करें

प्रत्येक उपलब्धि आपस में साझा करके एस0सए0आर0 को सशक्त बनाएं

नैक में उच्चतम ग्रेड हेतु प्रयास करें

–राज्यपाल, श्रीमती आनंदीबेन पटेल

लखनऊ : 28 फरवरी, 2024

प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज यहाँ राजभवन में सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के नैक ग्रेडिंग हेतु तैयार प्रस्तुतिकरण की समीक्षा की। विश्वविद्यालय इससे पूर्व के अपने नैक मूल्यांकन में 'ए' श्रेणी प्राप्त कर चुका है, जिसकी वैधता वर्ष 2019 में समाप्त हो चुकी है। राज्यपाल जी ने नैक के सभी सातों क्राइटेरिया पर बिन्दुवार कमेटी के सदस्यों से जानकारी ली। उन्होंने प्रस्तुतिकरण में व्यापक सुधार किए जाने के निर्देश दिए।

समीक्षा बैठक के दौरान राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालय की नैक तैयारी की टीम में आपसी तालमेल, फोटोग्राफ, विवरण की शेयरिंग, विश्वविद्यालय के प्रति वृहद दृष्टिककोण के साथ प्रतिबद्धता का गहरा अभाव परिलक्षित किया। उन्होंने कहा कि टीम के सभी सदस्य विश्वविद्यालय के शिक्षण उपरांत कुलपति के साथ नैक तैयारी की बैठक करें। उन्होंने विशेष निर्देश देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के गत् 5 वर्षों के कार्यक्रमों का समग्रमा से अवलोकन करें और मूल्यांकन के प्रत्येक क्राइटेरिया में बिंदुवार उल्लेख हेतु विवरण का चयन किया जाए।

राज्यपाल जी ने टीम के सभी सदस्यों को नैक के उच्चतम ग्रेड हेतु एकजुट प्रयास करने को कहा। उन्होंने टीम के सदस्यों से कहा कि विश्वविद्यालय को

विभागों में न बाटें, स्वयं को विश्वविद्यालय का शिक्षक माने और प्रत्येक उपलब्धि आपस में साझा करके एस0सए0आर0 को सशक्त बनाएं। बिंदुवार समीक्षा के दौरान राज्यपाल जी ने फोटोग्राफ में विविधता रखने, पुनरावृत्ति न करने, फोटो के साथ स्पष्ट विवरण अंकित करने, गतिविधियुक्त फोटो ही चयनित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय से कर्मकाण्ड हेतु बाहर जाने वाले छात्रों के टूर के फोटो सांस्कृतिक पर्यटन के क्रम में विवरण में लगाए जाएं।

क्राइटेरिया तीन में एक्सटेंशन एक्टिविटी की चर्चा पर राज्यपाल जी ने जन सहभागिता का उल्लेख जोड़ने और उसके फोटो प्रमाण में लगाने का निर्देश दिया। क्राइटेरिया तीन के प्रस्तुतिकरण से असंतुष्ट होकर राज्यपाल जी ने इसका पुनर्लेखन करने को कहा। क्राइटेरिया पांच की समीक्षा के दौरान राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के कार्यों और उपलब्धियों पर पुस्तक बनाने और उसके वर्षवार लाइब्रेरी में संग्रहीत रखने का विशेष निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ये पुस्तकें प्रमाण स्वरूप नैक की पियर टीम के समक्ष प्रस्तुत करने तथा आगामी वर्षों में नैक की तैयारी हेतु सदैव उपयोगी रहेंगी।

राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालय में लगे सोलर प्लांट से विश्वविद्यालय व्यय में हुई बचत का उल्लेख भी एस0एस0आर0 में जोड़ने को कहा। उन्होंने विश्वविद्यालय के छात्र द्वारा मैथिली में कजरी की रचना की प्रशंसनीय उपलब्धि को विशेष तौर पर एस0एस0आर0 में दर्शाने को कहा। इसके साथ ही राज्यपाल जी ने नैक टीम के सभी सदस्यों को मूल्यांकन में उच्चतम ग्रेड प्राप्त करने हेतु जोर दिया।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव राज्यपाल डॉ0 सुधीर महादेव बोबडे, विशेष कार्याधिकारी शिक्षा श्री पंकज जानी, सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के कुलपति प्रो0 बिहारी लाल शर्मा, संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा गठित नैक मूल्यांकन तैयारी की टीम के सदस्य तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

———

डॉ0 सीमा गुप्ता,
सहायक निदेशक, राजभवन,
सम्पर्क सूत्र–8318116361